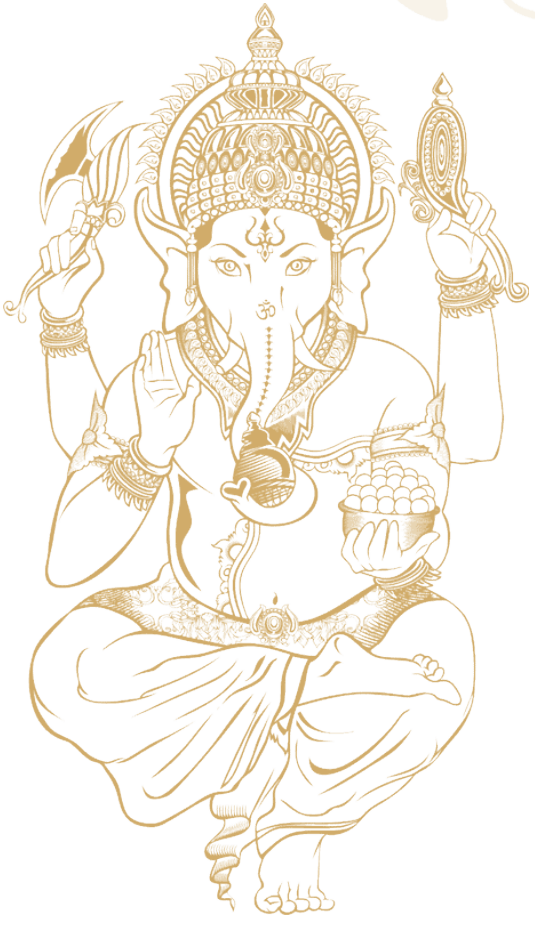

Devanshu

A Narang

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121836301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121836301 Date: 06/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1996	जन्म तिथि	23/09/1997
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 07:46:00	जन्म समय	10:11:00 घंटे
घटी 00:38:22	जन्म समय(घटी)	09:36:52 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Delhi
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:30:39	सूर्योदय	06:10:00
17:45:18	सूर्यास्त	18:16:37
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:28

धनु	लग्न	तुला
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कर्क	राशि	मिथुन
चन्द्र	राशि-स्वामी	बुध
आश्लेषा	नक्षत्र	मृगशिरा
बुध	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	व्यतिपात
वणिज	करण	बालव
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	का-कमला
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	सर्प
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 10मा 26दि		26:09:24	धनु	लग्न	तुला	27:48:23	मंगल 2वर्ष 5मा 25दि	
शुक्र		23:15:57	धनु	सूर्य	कन्या	06:22:10	गुरु	
04/12/2018		17:31:28	कर्क	चंद्र	मिथु	01:55:56	19/03/2018	
04/12/2038		05:54:38	मक	मंगल	वृश्चि	02:11:54	19/03/2034	
शुक्र	05/04/2022	11:03:44	मक	बुध	सिंह	20:34:43	गुरु	06/05/2020
सूर्य	05/04/2023	07:16:26	धनु	गुरु व	मक	18:38:24	शनि	18/11/2022
चन्द्र	04/12/2024	27:31:39	मक	शुक्र	तुला	18:59:57	बुध	23/02/2025
मंगल	03/02/2026	26:06:20	कुंभ	शनि व	मीन	24:23:27	केतु	30/01/2026
राहु	03/02/2029	28:18:17	कन्या व	राहु व	सिंह	25:51:54	शुक्र	30/09/2028
गुरु	05/10/2031	28:18:17	मीन व	केतु व	कुंभ	25:51:54	सूर्य	19/07/2029
शनि	04/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष व	मक	11:05:52	चन्द्र	18/11/2030
बुध	04/10/2037	01:08:24	मक	नेप व	मक	03:25:31	मंगल	25/10/2031
केतु	04/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:27:41	राहु	19/03/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:28

लग्न-चलित

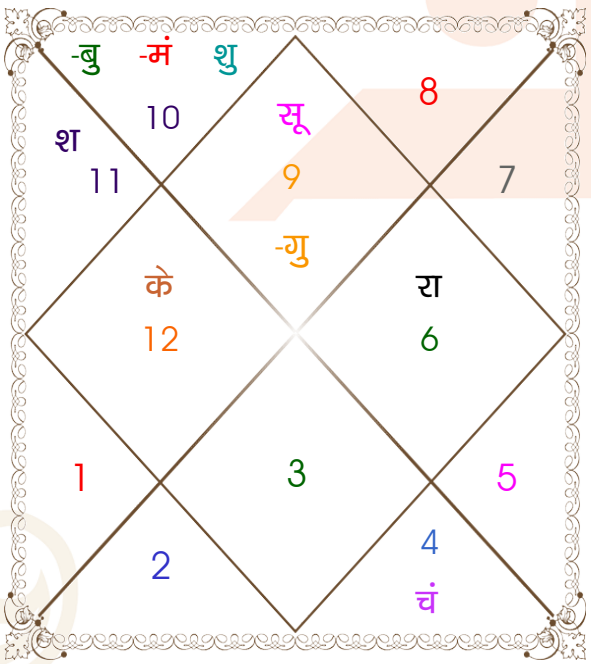

लग्न-चलित

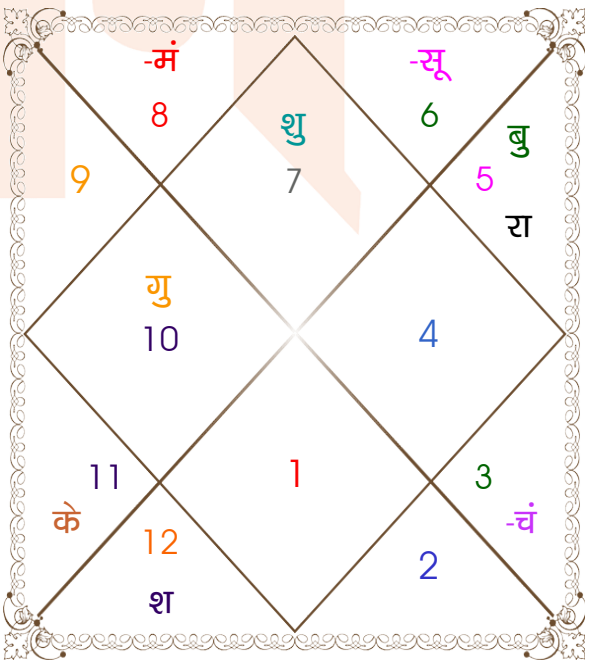

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

कुल : **14.5 / 36**

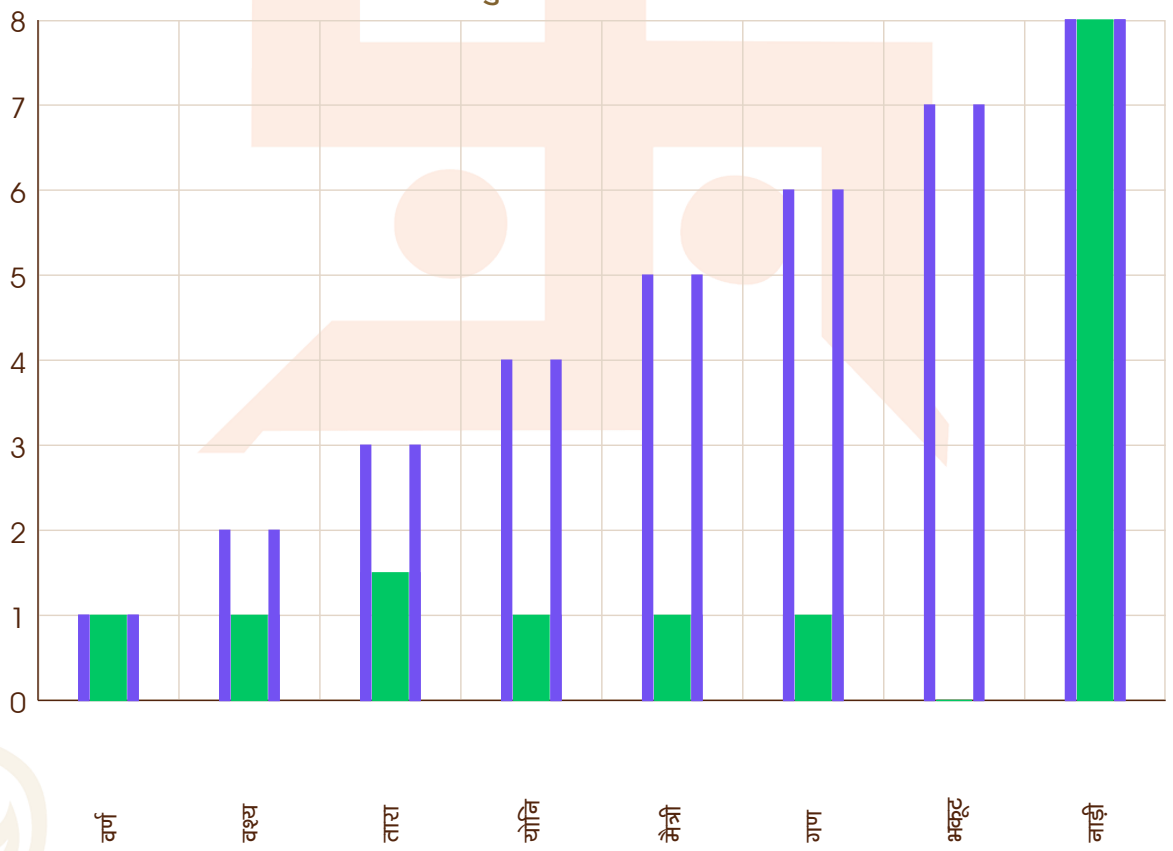

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Devanshu का वर्ग श्वान है तथा । छंतंदह का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Devanshu और । छंतंदह का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Devanshu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

। छंतंदह मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Devanshu तथा । छंतंदह में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Devanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा । छंतंदह का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। । छंतंदह सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। । छंतंदह एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Devanshu का वश्य जलचर है एवं । छंतंदह का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में । छंतंदह अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Devanshu उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Devanshu की तारा प्रत्यरि तथा । छंतंदह की तारा साधक है। Devanshu की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Devanshu कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप । छंतंदह को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Devanshu की योनि मार्जार है तथा । छंतंदह की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है।

कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Devanshu से । छंतंदह का राशि स्वामी मित्र है। परन्तु । छंतंदह से Devanshu का राशि स्वामी शत्रु है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में Devanshu का राशि स्वामी । छंतंदह के राशि स्वामी को मित्र समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में Devanshu तो । छंतंदह को खूब प्यार करने वाले तथा ख्याल रखने वाले होंगे किंतु दूसरी ओर । छंतंदह उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकती है जिसके कारण वह अपने पति से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगी तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी।

गण

Devanshu का गण राक्षस तथा । छंतंदह का गण देव है। अर्थात । छंतंदह का गण Devanshu के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Devanshu निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Devanshu का । छंतंदह के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। । छंतंदह हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Devanshu से । छंतंदह की राशि द्वादश भाव में स्थित है । छंतंदह से Devanshu की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Devanshu परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु । छंतंदह का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। । छंतंदह की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही । छंतंदह तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Devanshu की नाड़ी अन्त्य है तथा । छंतंदह की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक

हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Devanshu की जन्मराशि जलतत्व युक्त कर्क तथा । छंतंदह की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। नैसर्गिक रूप से जल तथा वायुतत्व में विषमता तथा शत्रुता का भाव विद्यमान रहता है। अतः Devanshu और । छंतंदह के मध्य मतभेद तथा विषमताएं स्वाभाविक रूप से रहेंगी। अतः इनका मिलान उत्तम नहीं होगा।

Devanshu की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा । छंतंदह की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं शत्रुभाव में स्थित हैं। अतः Devanshu और । छंतंदह के मध्य समानता की अपेक्षा विषमता एवं मतभेद ही अधिक मात्रा में रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी नही रहेगा। Devanshu एक धैर्यवान तथा बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा । छंतंदह का स्वभाव आलसी रहेगा साथ ही Devanshu को बच्चे प्रिय रहेंगे । छंतंदह मित्रों के मध्य आनन्दानुभूति प्राप्त करेंगी। अतः उपरोक्त विषमताओं के कारण इनके वैवाहिक जीवन में शान्ति का अभाव रहेगा। Devanshu एवं । छंतंदह की राशियाँ परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती हैं। यह एक प्रबल भकूट दोष है। इसके प्रभाव से मानसिक स्तर पर भी असमानताएँ होंगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग एवं आकर्षण का अभाव रहेगा। साथ ही परस्पर स्वार्थ की भावना में भी लिप्त रहेंगे फलतः समय समय पर एक दूसरे से अनावश्यक विवाद उत्पन्न होंगे तथा गुणों की अपेक्षा एवं कमियों पर विशेष ध्यान देकर दाम्पत्य जीवन में कटुता का भाव बना रहेगा।

Devanshu का वश्य जलचर एवं । छंतंदह का वश्य मानव है। इन दोनों वश्यों में शत्रुता एवं असमानता होने के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में विषमता रहेगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Devanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा । छंतंदह का वर्ण शूद्र है। इसके प्रभाव से इनकी कार्य क्षमता में भी अन्तर रहेगा। Devanshu शैक्षिणक कार्यो तथा धार्मिक कार्यो के प्रति इच्छुक होंगे लेकिन । छंतंदह किसी भी कार्य को परिश्रम एवं ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी।

धन

Devanshu और । छंतंदह दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Devanshu और । छंतंदह दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Devanshu की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सटटा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी

तथापि Devanshu को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Devanshu की नाड़ी अन्त्य तथा । छंतंदह की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Devanshu और । छंतंदह का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति । छंतंदह के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः । छंतंदह को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Devanshu और । छंतंदह बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Devanshu और । छंतंदह का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

। छंतंदह के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी । छंतंदह को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः । छंतंदह को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान

रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ । छंतंदह के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से । छंतंदह सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Devanshu के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Devanshu अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Devanshu के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Devanshu के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।